खबर संक्षेप

कोरमपूर्ति तक सिमटे सामुदायिक स्वच्छता परिसर

उमरिया। स्वच्छ भारत अभियान के तहत वर्ष 2020 से ग्राम पंचायतों में स्वच्छता परिसरों की बुनियाद रखी गई, हर ग्राम पंचायत में एक से लेकर दो-तीन स्वच्छता परिसरों का निर्माण कार्य शुरू हुआ। एक स्वच्छता परिसर की लागत 3.72 हजार रुपए तक बतायी जाती है। विकास खंड पाली के 44 ग्राम पंचायतों में 72 सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण होना बताया जाता है , लेकिन इनमें से अधिकांश आज भी अधूरे हैं। इस तरह जनपद पंचायत करकेली की ग्राम पंचायतों में सामुदायिक शौचालय का स्थल चयन ऐसा हुआ है कि आज वह दुर्दशा के आंसू बहा रहे हैं। स्वच्छता परिसर के हाल बेहाल हैं, स्वच्छता परिसरों को ऐसा बना कर रखा गया है, ताकि बाहर से लगें कि स्वच्छता परिसर तैयार हैं, जबकि अन्दर वह अभी भी खाली हैं , न उनमें सीट बैठीं न बास बेसिन लगा। सैप्टिक टैंक तक नहीं बनाए। करकेली जनपद की ग्राम पंचायत देवगवांखुर्द में बना स्वच्छता परिसर न सिर्फ ताला लटक रहा अपितु यह सामुदायिक स्वच्छता परिसर बिलकुल अनुपयोगी हैं। ऊपर से पूर्ण दिखाई पडने वाले सामुदायिक स्वच्छता परिसर जब से बना है, तब से ताला लटक रहा है।

विधायक ने सामुदायिक भवन का किया भूमिपूजन

मानपुर। विधायक सुश्री मीना सिंह ने ग्राम पंचायत चितरांव अंतर्गत ग्राम मझटोला तथा ग्राम भोलगढ जनपद पंचायत मानपुर में 30-30 लाख रूपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन निर्माण कार्य भूमि पूजन किया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष मानपुर ममता सिंह, जनप्रतिनिधि मौजीलाल चौधरी, संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, उप सरपंच सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुश्री मीना सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यो के लिए कृत संकल्पित है । सामुदायिक भवन के निर्माण हो जाने पर ग्रामीणों को इसका सीधा फायदा मिलेगा । गांव मे होने वाले वैवाहिक कार्यक्रमों सहित अन्य कार्यो के लिए सामुदायिक भवन का उपयोग किया जा सकेगा। आपने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक योजना के तहत ग्रामों में पक्की सडके बनाई गई है । हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी के भवन संचालित किए गए है जिससे छात्र छात्राओ का भविष्य उज्जवल हो सके । महिलाओं को विभिन्न योजनाओं का लाभ देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया गया है । किसानों को नये नये कृषि यंत्र प्रदान कर खेती को लाभ का धंधा बनाया गया है ।

जन सुरक्षा योजना के प्रचार प्रसार के लिए शिविर अभियान प्रारंभ

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार जन सुरक्षा योजना प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के वृहद प्रचार प्रसार हेतु शिविर का आयोजन कर अधिक से अधिक लोगो को योजना में पंजीकृत किया जाना है। इस हेतु ग्राम पंचायत स्तर में सरपंच, सचिव, कोटवार एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की सहभागिता अनिवार्य होगी। उन्होंने बताया कि जन सुरक्षा महोत्सव 15 जनवरी तक मनाया जाएगा । इस दौरान ग्राम पंचायत स्तर मे बैंक व्दारा निर्धारित तिथि पर सुबह 11 बजे से सायं 4 बजे तक जन भागीदारी हेतु जिले के समस्त सरपंच, सचिव, कोटवार, एवं महिला बाल विकास विभाग की सहभागिता अनिवार्यता रहेगी ।

अधिवक्ता संघ बुढार का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जिला सत्र न्यायाधीश के साथ आधा दर्जन न्यायाधीशों ने बढ़ाई शोभा

बुढार न्यायालय प्रांगण में आयोजित हुआ गरिमा में कार्यक्रम

बुढार न्यायालय में रविवार की दोपहर नवनिर्वाचित अभिभाषक संघ के पदाधिकारी का शपथ ग्रहण संपन्न हुआ, इस दौरान जिले के विभिन्न न्यायालय में पदस्थ माननीय न्यायाधीशों को प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए और न्यायाधीशों ने निर्वाचित सदस्यों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

बुढार

स्थानीय सत्र न्यायालय परिसर में रविवार की दोपहर 12 बजे से पूर्व निर्धारित कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें दर्जनों अधिवक्ता प्रबुद्ध जन और शहडोल तथा बुढार न्यायालय में सदस्य विद्वान न्यायाधीश भी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह के साथ नवीन कानून की कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, इस अवसर पर शहडोल जिला सत्र न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे, वहीं राज्य अधिवक्ता परिषद के दिनेश पाठक ने भी मंच की शोभा बढ़ाई , लगभग 4 घंटे तक चले कार्यक्रम में नवनिर्वाचित अभिभाषक संघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी को शपथ दिलवाते हुए उन्हें प्रमाण पत्र वितरित किए गए, वहीं जिला सत्र न्यायाधीश माननीय जितेंद्र कुमार मिश्रा तथा अन्य न्यायाधीशों को प्रतीक चिन्ह भी अधिवक्ता संघ की ओर से भेंट किए गए, कार्यक्रम का सफल संचालन अधिवक्ता मोहम्मद कलाम के द्वारा किया गया।

निर्वाचित अधिवक्ताओं ने ली शपथ

अभिभाषक संघ बुढार के नवनिर्वाचित अधिवक्ताओं ने प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश हितेंद्र कुमार मिश्रा के सामने पद और गोपनीयता की शपथ ली और उन्हें प्रमाण पत्र भी दिए गए, गौरतलब है कि लगभग 6 माह पूर्व अभिभाषक संघ बुढार का निर्वाचन संपन्न हुआ था। मताधिकारों का उपयोग करके अधिवक्ताओं ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और समिति के सदस्यों का चुनाव किया था, जिसमें अध्यक्ष के रूप में जयकांत मिश्र और सचिव के रूप में शैलेंद्र प्रताप सिंह का चुनाव किया गया था, वहीं कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष और कार्य समिति के सदस्यों का भी निर्वाचन किया गया था। आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत में ही नवनिर्वाचित अध्यक्ष जयकांत मिश्रा ने आयोजन के देरी होने से संदर्भ में कारण बताएं और इस बात की खुशी भी जाहिर की कि यदि कार्यक्रम पहले आयोजित होता तो, वर्तमान में जितने विद्वान न्यायाधीश हमारे बीच में मौजूद है, शायद उनके न होने से कार्यक्रम इतना गरिमा मयी नहीं हो पता। जयकांत मिश्रा तथा सचिव शैलेंद्र प्रताप सिंह के अलावा उपाध्यक्ष के तौर पर मनोज तिवारी, कोषाध्यक्ष जनक लाल कुशवाहा, सह सचिव अविनाश पाठक, ग्रंथपाल जितेंद्र मिश्रा के साथ ही कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राजेश कुशवाहा, श्रीमती रेनू सिंह, रमेश प्रजापति, सुषमा सिंह ठाकुर, अनुज प्रताप सिंह, ने भी शपथ ली और उनके साथ दर्शन अधिवक्ता कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

अतिथियों का सम्मान और उद्बोधन

न्यायालय प्रांगण में आयोजित अधिवक्ता संघ के कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश जितेंद्र कुमार मिश्रा के साथ ही शहडोल और बुढार न्यायालय के अन्य विद्वान न्यायाधीश भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से की गई और उसके बाद अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्जवलन और माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। पूर्व अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष आलोक राय तथा कार्यक्रम के संचालन में सहभागी रहे अधिवक्ता संतु पाठक, मनोज गौतम, बृजेश शुक्ला तथा अन्य अधिवक्ताओं ने कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में अपनी अहम भूमिका दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान अभिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा एडीपीओ एवं थाना प्रभारी बुढार संजय जयसवाल, थाना प्रभारी धनपुरी खेम सिंह पेन्द्रो और अन्य वरिष्ठजनों में पूर्व नगर पालिका सीएमओ धनपुरी रविकरण त्रिपाठी, नगर परिषद बुढार सीएमओ सौरभ श्रीवास्तव आदि का भी सम्मान किया गया और उन्हें अभिभाषक संघ के द्वारा प्रतिक चिन्ह भेंट किए गए।

500 ट्रक मालिकों पर रोजी-रोटी का संकट, दबंग आए दिन कर रहे विवाद

धनपुरी

साउथ ईस्टर्न कोल्ड फील्ड्स लिमिटेड के सोहागपुर एरिया अंतर्गत विभिन्न कोयला खदानों में रोड सेल से कोयला उठाने और भेजना के मामले में भाड़े को लेकर राजस्थान की कंपनी और उसके कुछ कारण दे बीते कुछ दिनों से नए विवादों को जन्म दे रहे हैं, दो दिन पूर्व ही इस बात को लेकर काफी विवाद हुआ और स्थानीय लगभग 500 से अधिक ट्रकों के मालिक अपनी मांग को लेकर खैरहा थाने पहुंच गए, ट्रक ऑनर्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के बैनर तले खैरहा थाने पहुंचे दर्जनों ट्रक मालिकों ने पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर के नाम पर खैरहा थाना प्रभारी को आवेदन दिया था और यह आरोप लगाए थे कि बीएमआर नामक कंपनी के कुछ कारिंदे अनावश्यक दबाव डाल रहे हैं और स्थानीय ट्रक मालिकों से विवाद कर रहे हैं, जिससे किसी भी दिन अप्रिय घटना कारित हो सकती है, इस मामले में स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन के हस्ताक्षेप की मांग की गई और उन्हें समस्याओं से अवगत कराया गया, यह भी बताया गया कि बाहर की कंपनी के कुछ कारिंदे जो ना तो कोई ट्रक मालिक है और नहीं अधिकृत तौर पर कंपनी के कर्मचारी ही हैं, उनके द्वारा यहां लॉयन ऑर्डर की स्थिति निर्मित करने का प्रयास किया जा रहा है।

रविवार को अमलाई थाना पहुंचे ट्रक मालिक

शुक्रवार के बाद फिर रविवार को तीन दर्जन से अधिक ट्रक मालिक अपनी मांग को लेकर अमलाई थाना पहुंचे, उनका आरोप था कि जिस तरह खैरहा थाना क्षेत्र अंतर्गत बीएमआर कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि यशपाल के द्वारा यहां स्थानीय यूनियन क्षेत्रीय ट्रक आनर्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के तय मानकों के खिलाफ जाकर लिफ्टिंग का काम करवाते हुए विवाद की स्थिति निर्मित की जा रही है, वैसे ही अमलाई थाना अंतर्गत रामपुर खुली खदान में भी स्थिति निर्मित कर विवाद करने की मंशा से ट्रांसपोर्टर की नजर आ रही है। पुलिस अधीक्षक के नाम दिए गए शिकायत पत्र में यह उल्लेख किया गया कि क्षेत्रीय ट्रक आनर्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन एक स्थानीय और रजिस्टर्ड यूनियन है, आस-पास की समस्त कोयला खदानों से को लिफ्टिंग के लिए उक्त यूनियन के द्वारा दिशा निर्देश इसलिए तय किए जाते हैं कि कोई भी विवाद की स्थिति आपस में निर्मित ना हो और छोटे-छोटे ट्रक मालिकों के हकों को भी ध्यान में रखा जा सके। पत्र में आगे या उल्लेख किया गया कि यूनियन के द्वारा निर्धारित भाड़े जो प्रतिदिन के हिसाब से निर्धारित किया गया है, समस्त ट्रांसपोर्टर को लिफ्टिंग के लिए इस भाड़े को मानने की बाध्यता सभी के द्वारा आपसी सहमति से तय की गई है। जिसमें स्थानीय को निकासी के लिए 70 प्रतिशत स्थानीय गाडिय़ों को प्राथमिकता दिए जाने तथा 30 प्रतिशत अन्य ट्रांसपोर्टर जो कि स्थानीय क्षेत्र के बाहर की होगी। कोयला सप्लाई के लिए यूनियन के तय मापदंडों के अनुसार कार्य कर सकेंगे, लेकिन राजस्थान की तथाकथित बी.एम.आर कम्पनी राजस्थान की है , जिसे स्थानीय कोयला खदानों से कोयला सप्लाई के लिए ए.सी.सी केमोर के लिए डी.ओ. प्राप्त हुआ है तथा उसके द्वारा पूर्व में यूनियन के मातहत एवं यूनियन के दिशा निर्देशों के अनुसार कार्य करने का वचन दिया था । परन्तु वर्तमान में उनके द्वारा मनमानी दिखाते हुये असामाजिक तत्वों को इक_ा कर गाली-गलौज कर हाथ में हथियार रखे हुए हथियार बन्द व्यक्तियों के साथ यूनियन के सदस्यों को धमकाते हुये जान से मारने की धमकी देते हुये कहते है कि हम मनमाने ढंग से कार्य करेगें। अगर हमें यूनियन के तहत काम करने के लिए बोलोगे तो खून खराबा हो जायेगा। तथा कहते है कि ये बड़े बड़े अधिकारियों का काम है, इसमें किसी भी प्रकार से यहां के लोगो को कोई रोजगार नही दिया जायेगा। जितने बड़े-बड़े अधिकारियों का काम है कि वह तुम सब यूनियन वालो को झूठे मुकदमें में दो मिनट में फंसा देगें।

उक्त यूनियन द्वारा स्थापित विधि विरूद्ध कार्य करने में भानू दीक्षित, ओम दीक्षित, रमेश प्रताप सिंह उर्फ दादू, सुजीत चतुर्वेदी एवं उनके साथ अन्य सैकड़ो गुन्डा प्रवृत्ति के व्यक्ति यह धमकी देते है कि, यदि हमें हमारे हिसाब से काम नही करने दोगे। तो हम यहां पर खून खराब कर देंगें तथा वहां उपस्थित सभी व्यक्ति गुण्डा प्रवृत्ति के नशे में रहते है तथा कोई भी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते है। स्थानीय यूनियन द्वारा जो दिशा निर्देश बनाये गये है, उसके तहत लगभग 500 परिवार की रोजी-रोटी चलती है तथा सभी 500 परिवार के व्यक्तियों द्वारा फाइनेंस में गाड़ी उठायी गई है। जिसका कर्जा फाइनेंस कम्पनी को किस्त के रूप में उक्त परिवार के लोगो को चुकाना पड़ता है। ऐसी स्थिति में बाहर से आये कम्पनी द्वारा यदि स्थानीय यूनियन के विपरीत कार्य किया जाता है तो, यूनियन से जुड़े लगभग 500 परिवारों के सामने रोजी-रोटी का भारी संकट खड़ा हो जायेगा। तथा वह अपने वाहनों को खड़ा कर चक्का जाम करते हुये उग्र आंदोलन करने के लिए विवश हो जायेगे।

201 करोड़ की छूट के बाद भी बकाया है 89 करोड़ का बिजली बिल

शासन ने किया कलेक्टर सहित विभागीय अधिकारियों से पत्राचार

शहडोल

जिले में बिजली बिल की चिंताजनक बकाएदारी को देखते हुए प्रदेश शासन ने इसे गंभीरता से लिया है और इसकी वसूली हेतु प्रयास करने के लिए विभागीय अधिकारियों सहित कलेक्टर से पत्राचार किया गया है। ज्ञातव्य है कि जिले में मार्च 2024 की स्थिति तक 89 करोड़ रुपए की बकाएदारी थी। हैरानी की बात यह है कि यह बकाएदारी उस स्थिति में है जब जिले को 201 करोड़ रुपए की छूट दी जा रही है। इतनी बड़ी बकाएदारी ने विचलन की स्थिति निर्मित कर दी है। शासन के पत्र में लेख किया गया है कि राज्य शासन के विभिन्न विद्युत उपक्रमों द्वारा सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं को विद्युत प्रदाय का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इसकी एवज में विद्युत कंपनियां उपभोक्ताओं से यह अपेक्षा करती हैं कि उपयोग की गई बिजली का समयावधि में भुगतान किया जाए। लेकिन उपभोक्ता श्रेणियों विशेषकर घरेलू एंव कृषि क्षेत्र में भुगतान नही किया जा रहा है। इस कारण विद्युत बिलों के भुगतान में बकाएदारी बढ़ती जा रही है। इस कारण कंपनियों केा हानि पहुंच रही है और विद्युत आपूर्ति में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिला प्रशासन कुछ प्रयासों के माध्यम से सहयोग प्रदान करे।

भारी सब्सिडी के बावजूद बकाया

शहडोल जिले में उर्जा विभाग की विभिन्न योजनाओं जैसे अटल गृह ज्योति योजना में लगभग 161408 घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति वर्ष 38 करोड़ रुपए की छूट दी जा रही है। साथ ही 16585 कृषकों को प्रतिवर्ष 38 करोड़ की छूट दी जा रही है। इसके अतिरिक्त निःशुल्क विद्युत प्रदाय योजना में अजा/जजा के एक हेक्टयर तक की भूमि एवं 5 एचपी तक के विद्युत पंप कनेक्शनधारियों को निःशुल्क बिजली दी जा रही है। जिले के लिए सरकार प्रतिवर्ष 76 करोड़ की सब्सिडी प्रदान कर रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में जिले के कुल 195704 उपभोक्ताओं को 201 करोड़ रुपए की छूट रप्रदान की गई है। इसके बावजूद जिले में 89 करोड़ रुपए की राशि भुगतान के लिए बकाया है। इससे यहां भुगतान की लचर स्थिति का पता चलता है।

उपभोक्ताओं की करें पहचान

वसूली शीघ्रता से हो इसके लिए उपभोक्ताओं की श्रेणी और पहचान सुनिश्चित करना जरूरी है। ऐसे विद्युत उपभोक्ताओं का केवाईसी सुनिश्चित किया जाए जिनके द्वारा जान बूझकर विद्युत बिलों का भुगतान नहीं किया जा रहा है अथवा अन्य पद्धतियों व अनियमित तरीके से विद्युत बिल कम किया जा रहा है। विद्युत उपभोक्ता व उनके परिजनों के बैंक खातों की जानकारी प्राप्त की जाए। जिससे विद्युत वितरण कंपनियों के अधिकारियों द्वारा शासन की एक निर्धारित प्रक्रिया के तहत बैंक खाते के माध्यम से राशि प्राप्त की जा सके। विद्युत चोरी पकडऩे एवं बकाया राशि की वसूली के दौरान विद्युत कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार की स्थिति में त्वरित वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित कर सुरक्षा प्रदान करना अनिवार्य है।

गन लायसेंस में नोड्यूज लिया जाए

पत्र में लेख किया गया है कि जिला स्तर से जारी किए जाने वाले आम्र्स लायसेंसो के आवेदनों में विद्युत मण्डल का नोड्यूज लिया जाए। अवैध कालोनियों सहित अन्य रहवासी क्षेत्रों में विद्युत चोरी की रोकथाम हेतु जागरुकता अभियान तथा अवैध कालोनियों के प्रकरण में विद्युत अधोसंरचना के विकास हेतु प्रभावी कार्रवाई हेतु सहयोग प्रदान किया जाए। जिला न्यायालयों में लंबित विद्युत संबंधी प्रकरणों की समीक्षा एवं त्वरित प्रभावी निराकरण हेतु आवश्यक समन्वय कायम किया जाना जरूरी है। बिल वसूली में इस तरह के सहयोग आवश्यक हैं। इन प्रयासों से जनाक्रोश भी उत्पन्न नहीं होगा और कानून व्यवस्था भंग नहीं होगी। ज्ञातव्य है कि बिजली के उपयोग की समुचित राशि वसूली होने से ही गुणवत्तापूर्ण विद्युत की आपूर्ति सहजता से की जा सकती है।

भरमाते हैं जनप्रतिनिधि

बिजली बिल रोकने के लिए सांसद, विधायक जैसे जनप्रतिनिधि भी कुछ हद तक जिम्मेदार रहते हैं उनके समर्थक ग्रामीणों से यह कहते हैं कि बिल जमा मत करना अंत में शासन सब माफ कर देगा। हर घर में बिजली जलती है, लेकिन भुगतान कुछ लोग ही करते हैं। आज भी शहरी क्षेत्रों में और ग्रामीण क्षेत्रों में चोरी की बिजली जलाई जाती है, विद्युत मण्डल के कई प्रयासों के बाद भी इसमें कमी नहीं आई है। इसके विपरीत विद्युत मण्डल कर्मचारियों से लोग अभद्रता कर उन्हे ही चोट पहुंचाने का प्रयास करते हैं। एक तो चोरी ऊपर से सीना जोरी की स्थिति विमं कर्मचारियों के साथ निर्मित होती है।

दुष्कर्म करने वाले तीन आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

उमरिया

18 अक्टूबर की शाम पीड़िता द्वारा अपने परिजन के साथ पाली थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 15 अक्टूबर की शाम दोनो बहने जब खेत से घर की तरफ जा रहे थे, तभी मोनू, राजू एवं अर्जुन मिले और बोले चलो तुम दोनो को मोटर सायकिल से कही घुमा कर लाते है और अर्जुन दोनों बहनो को गाड़ी में बैठाकर चांदपुर जंगल ले गया और वही रोककर बोला कि तुम दोनो यही इंतजार करना मैं मोनू एवं राजू को लेकर आता है, इसके बाद वह मोनू और राजू को लेकर आया । थोड़ी देर बाद मोनू छोटी बहन को जबरन मोटरसायकिल में बैठाकर ले गया एवं राजू और अर्जुन के द्वारा बड़ी बहन के साथ जंगल में गलत काम किया गया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी गई, इसके अलावा आरोपी मोनू द्वारा छोटी बहन को अपने साथ अपने घर ले जाकर गलत काम किया गया । तीनो आरोपियों द्वारा एक राय होकर 02 अलग-अलग घटनास्थल पर दुष्कर्म की घटना कारित करने की रिपोर्ट पर थाना पाली में धारा 70 (1), 351(3) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गये। मामले की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व मॉनीटरिंग में पाली पुलिस द्वारा अलग-अलग टीम गठित कर तत्काल आरोपियों की पता-तलाश व गिरफ्तार करने की कार्यवाही की शुरू की गई । पुलिस टीम द्वारा 18 अक्टूबर की पूरी रात आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उनके छिपे होने के संभावित स्थानो पर दबिश दी गई । आरोपीगण पुलिस के बचने के लिये छिप रहे थे तथा मौका पाकर कही दूर भागने के फिराक में थे, परंतु पुलिस की तत्परता के कारण मामले में संलिप्त सभी 03 आरोपियों राजू उर्फ उमेश सौंधिया उम्र 30 वर्ष, अर्जुन उर्फ पोरस उर्फ गुड्डा तिवारी उम्र 33 वर्ष निवासी शहडोल एवं मोनू उर्फ सुशील तिवारी उम्र 30 साल निवासी ग्राम चांदपुर थाना पाली को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया।

बाघ के हमले से तीन लोग हुए घायल

शहडोल। जिले के जैतपुर और गोहपारू वन परिक्षेत्र में 24 घंटों के भीतर बाघ के हमले से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पहली घटना में शनिवार को जंगल में मवेशी चरा रही महिला पर बाघ ने हमला किया, जबकि दूसरी घटना में खेत से घर लौट रहे युवक को बाघ ने घायल कर दिया। जैतपुर और गोहपारू वन परिक्षेत्र से लगे हुए जंगल में बाघ ने 24 घंटों में तीन लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया है। रविवार की तडक़े ही शौच के लिए जंगल गए वृद्ध पर बाघ ने हमला बोल दिया, जिससे वृद्ध की हालत गंभीर बनी हुई है। उपचार के लिए उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया है। इसी तरह शनिवार की शाम जंगल में मवेशी चरा रही एक महिला पर बाघ ने हमला कर उसे भी घायल कर दिया था। तीसरी घटना भागा गांव में हुई है। यहां खेत से घर आते वक्त एक युवक पर बाघ ने हमला कर घायल कर दिया। लोगों ने बताया कि शनिवार की शाम जब महिला पर बाघ ने हमला किया तो, मामले की जानकारी गोहपारू वन विभाग के अधिकारियों को ग्रामीणों के द्वारा दी गई थी, लेकिन वन विभाग के अधिकारियों ने इस ओर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया। दूसरी और तीसरी घटना हो गई है। अगर समय पर बाघ पर निगरानी बन गई होती और गांव में मुनादी करवाई गई होती तो, शायद नई घटना नहीं हो पाती।

खबर संक्षेप

ओजस कार्यक्रम अंतर्गत किशोरावस्था शिक्षा हेतु कराया डॉक्टर व्याख्यान

कोतमा। 19 अक्टूबर को पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोंडी चोंडी में ओजस कार्यक्रम अंतर्गत माह अक्टूबर विषयक किशोरावस्था शिक्षा पर व्याख्यान हेतु मुख्य अतिथि आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर संगीता प्रजापति स्कूल के समस्त छात्र छात्रों को किशोरावस्था के समय हार्मोनल बदलाव, एनीमिया पोषण, स्वास्थ्य विटामिन, कुपोषण की जानकारी, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत विकास की जानकारी दी गई एवं विद्यार्थियों से स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं स्वास्थ्य अनुभव भी साझा किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय प्राचार्य राजू केवट के द्वारा किया गया। एवं सहभागी शिक्षक डीएन ओझा, संजीव कुमार शर्मा, विजय कुमार प्रजापति, अशोक कुमार, जीतलाल, पुरन केवट एवं समस्त विद्यालय स्टाफ की सहभागिता थी। कार्यक्रम संचालन विजय कुमार प्रजापति के द्वारा किया गया एवं ओजस कार्यक्रम प्रभारी पार्वती वर्मा के द्वारा मुख्य अतिथि का समस्त विद्यालय की ओर से आभार व्यक्त किया गया।

नरवाई ना जलाने हेतु कृषक संगोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। भारत एक कृषि प्रधान देश है जिसके अर्थव्यवस्था का एक बड़ा भाग दशकों से कृषि पर आधारित है। परन्तु फसल अवशेष का प्रबंधन एक प्रमुख चुनौती है। फसलों की कटाई के बाद बचे अवशेष ,नरवाई ,पूआल कृषको के लिए मूल्यवान प्राकृतिक संसाधन है।यह फसल अवशेष मृदा में कार्बनिक पदार्थ, विभिन्न पोषक तत्व एवं उर्वरा शक्ति को बढ़ाते है।नरवाई जलाने से मृदा की उर्वरा शक्ति की हानि होती है एवं आग के नियंत्रण से बाहर फैलने का खतरा रहता है। कृषकों को नरवाई ना जलाने हेतु जागरूकता के उद्देश्य से विकासखंड शहपुरा के ग्राम बरगाव में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त संगोष्ठी में कृषको को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान से अवगत कराया गया एवं धान की कटाई के उपरांत हैप्पी सीडर का उपयोग कर फसल अवशेष प्रबंधन की जानकारी प्रदाय करने के साथ साथ अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदाय की गयी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की जांच करने पहुंचा दल

शहडोल

जिले के नगर पालिका धनपुरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेस द्वारा दी गयी आन्दोलन की चेतावनी को स्वास्थ्य विभाग द्वारा इसे गंभीरता से लेते हुए जांच के लिए डीएचओ डाक्टर आर.के.शुक्ला के नेतृत्व में दो सदस्यीय जांच टीम धनपुरी अस्पताल पहुंची थी। जिसमे डाक्टर शुक्ला के अलावा बीएमओ डाक्टर आर.के.वर्मा, धीरेन्द्र श्रीवास्तव शामिल थे, साथ ही मंडलम कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद साबिर भी मौजूद रहे। जांच के दौरान टीम को सदस्यों को खामियां नजर आई, जिसमें धनपुरी अस्पताल के चिकित्सक मरीजो को जबरन बाहर से टेस्ट कराकर लाने को मजबूर कर रहें हैं। इतना ही नहीं बाहर से भी टेस्ट एक चिन्हित पैथोलोजी से कराने के लिए दबाव डाले जाने की बात भी सामने आई ।

सबसे आश्चर्य तो टीम को इस बात पर हुआ कि जो टेस्ट अस्पताल में मुफ्त में किए जाने की सुविधा है, उसके लिए भी बाहर निजी चिन्हित लैब मरीजो को भेजा जा रहा था।

जिस डाक्टर उत्कृष्ट द्विवेदी पर ऐसा करने का मरीज के परिजनो ने आरोप लगाया था। उक्त चिकित्सक से भी जांच टीम के प्रमुख डाक्टर शुक्ला द्वारा पूछताछ की गयी। हालाकि वह अपने ऊपर लगाए जा रहे आरोपों को नकारते रहें। उनका कहना था कि उन्होंने बाहर से किसी चिन्हित लैब से टेस्ट कराने के लिए कभी नहीं कहा है। हालाकि अस्पताल में होने वाले टेस्ट के बजाए बाहर से टेस्ट कराने के लिए मरीज को बोलने के सवाल पर वह कोई सटीक उत्तर नहीं दे सके।

जांच टीम के समक्ष मरीजो को बाहर से टेस्ट कराने के लिए डाक्टर उत्कृष्ट द्विवेदी द्वारा लिखी गयी पर्चियां भी रखी गयी। जिसे गंभीरता के साथ देखते हुए टीम ने भी समझा कि क्या कोई मरीज बिना चिकित्सक के दबाव डाले अस्पताल में होने वाले मुफ्त टेस्ट के बजाए बाहर जाकर रुपए देकर टेस्ट कराएगा। डाक्टर द्विवेदी का यह तर्क जांच टीम के भी गले नहीं उतरा कि उन्होंने बाहर से टेस्ट कराने नहीं लिखा और मरीज स्वयं बाहर निजी लैब से सैकड़ों रुपए खर्च कर टेस्ट कराकर अस्पताल लेकर आ रहें हैं।

अब बाहर से नहीं कराए टेस्ट

जांच टीम के प्रमुख डाक्टर शुक्ला ने डाक्टर द्विवेदी समेत धनपुरी अस्पताल में पदस्थ अन्य चिकित्सकों को स्पष्ट रूप में कहा कि भविष्य में अस्पताल में बैठकर किसी भी मरीज को बाहर से टेस्ट कराने के लिए नहीं लिखे, अगर ऐसा हुआ तो संबंधित चिकित्सक के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। डाक्टर द्विवेदी के साथ-साथ जांच टीम के समक्ष यह बात भी सामने आई कि अस्पताल में ड्रेसिंग करने के एवज में मरीजों से पैसे मांगे जाते हैं। जिस पर ड्रेसर को बुलाकर हिदायत दी गयी कि ऐसी शिकायत भविष्य में सामने नहीं आने चाहिए। हालाकि ड्रेसर ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने कभी किसी भी मरीज से ड्रेसिंग के बदले पैसे नहीं मांगे है। बहरहाल जांच टीम को कई खामियां अस्पताल में नजर आई , जिसे दुरुस्त करने की हिदायत दी गयी है।

टीआरकेसी एवं विश्वविद्यालय के बीच हुआ एमओयू

शहडोल

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय की जनजातीय अध्ययन एवं विकास केंद्र के द्वारा टीआरकेसी नई दिल्ली (ट्राईबल रिसर्च एंड नॉलेज सेंटर) के साथ एक एम. ओ.यू.(मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) किया गया। यह एम.ओ. यू. जनजातीय प्रकोष्ठ राज भवन मध्य प्रदेश के निर्देशानुसार, विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर राम शंकर के मार्गदर्शन में किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से कुल सचिव प्रोफेसर आशीष तिवारी द्वारा एम. ओ. यू.पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय जनजाति अध्ययन एवं विकास केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. चेतना सिंह, शोध समन्वयक डॉ. पूर्णिमा शर्मा, सह-समन्वयक डॉ.उमा सिंह कि उपस्थिति में समस्त कार्रवाई विश्वविद्यालय के कुल सचिव कार्यालय में संपन्न की गई। विश्वविद्यालय टीआरकेसी के साथ समन्वय कर जनजातीय अध्ययन व शोध के क्षेत्र में नए आयामों पर कार्य करेगा, जनजातीय समुदाय के सामाजिक ,सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक योगदान के प्रति भारतीय परिप्रेक्ष्य में समुचित दृष्टिकोण विकसित करने हेतु नवीन पाठ्यक्रम प्रारंभ करेगा। जनजातीय अस्तित्व जनजातीय गरिमा व जनजातीय संघर्ष की वास्तविक स्थिति से पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र शोधार्थी अवगत हो सकेंगे। अध्ययन केंद्र का उद्देश्य पूर्व स्थापित भ्रामक पश्चिमी दृष्टिकोण को भारतीय जनजातीय समुदाय की समृद्ध ज्ञान परंपरा के दृष्टिकोण से प्रतिस्थापित करना, जनजातीय शोध को भारतीय संदर्भ में मानकीय पद्धतियों से स्थापित करना है, जिसके लिए विश्वविद्यालय के समय-समय पर गोष्ठी ,व्याख्यान, कार्यशाला आदि का आयोजन करेगा । विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग, समाजशास्त्र एवं इतिहास विभाग में लगभग 12 शोधार्थी जनजातीय समुदाय से संबंधित विभिन्न विषयों पर शोध कार्य कर रहे हैं, वनस्पति विज्ञान विभाग में भी जनजाति समुदाय द्वारा पारंपरिक रूप से प्रयुक्त किए जाने वाली वनस्पतियों के औषधीय प्रयोग पर शोध किया जा रहा है। जनजाति अध्ययन एवं विकास केंद्र के माध्यम से, राज भवन के निर्देशों का पालन करते हुए पंडित शंभू नाथ शुक्ल विश्वविद्यालय नए प्रतिमान स्थापित करने हेतु प्रतिबद्ध रहेगा।

छात्रावास में युवा टीम ने योग कार्यक्रम का किया आयोजन

उमरिया

आयुष मंत्रालय विभाग से निर्देशन अनुसार जिला कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन व जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह के मार्गदर्शन पर युवा टीम उमरिया के द्वारा उत्कृष्ट आदिवासी बालिका छात्रावास बिरसिंहपुर पाली में योगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

योग वालंटियर हिमांशु तिवारी ने जानकारी देते हुए कहा कि आयुष मंत्रालय विभाग के निर्देशानुसार आज युवा टीम उमरिया के द्वारा उत्कृष्ट आदिवासी बालिका छात्रावास में योगा कार्यक्रम आयोजित किया गया ।हमारा अभियान का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। इसमें शारीरिक व्यायाम के साथ खाने-पीने के संबंध में बरती जाने वाली सावधानियों को भी ध्यान में रखना चाहिए।सुबह योग व्यायाम करने से सेहत पर काफी प्रभाव पड़ता है।नियमित व्यायाम से न केवल बीपी सुगर की संभावना कम रहती है। बल्कि भविष्य में ऐसे बीमारियों से आसानी से बचा जा सकता है। खासकर बच्चों को योग व्यायाम से अभी से प्रेरित करना अच्छी पहल है। बच्चे अभी से स्वस्थ्य रहेंगे तो उनके बेहतर भविष्य का निर्माण होगा।

छात्रावास अधीक्षिका अर्चना सिंह ने बालिकाओं को ज्यादा से ज्यादा पानी पाने की सलाह दी। साथ ही हर रोज एक घंटे की एक्सरसाइज को महत्वपूर्ण बताया। योगा कार्यक्रम के दौरान आदिवासी बालिका छात्रावास अधीक्षिका अर्चना सिंह,योग वालंटियर हिमांशु तिवारी,खुशी सेन,सौरभ पांडेय,छात्रावास छात्रा ज्योति सिंह,राधा सिंह,आकृति बैगा, कविता सिंह,भरती सिंह,ज्ञानबाई बैगा,केशकली बैगा,रागिनी बैगा,वंदना सिंह,मुस्कान बैगा,लष्मी कोल,लष्मी देवी,प्रिया कोल,नंदिनी सिंह,संध्या बैगा,छाया देवी,पुर्णिमा बैगा,खुशबू सिंह,आरती सिंह,अनीता सिंह एवं सभी छात्राएं उपस्थित रहे।

किसानों को फसल प्रबंधन के लिए किया गया जागरूक

मानपुर

जनपद में पक चुकी फसल को कीट रोगों का प्रकोप से बचाने के लिए नितीश ओझा ने अपने कंपनी द्वारा दिए गए प्रशिक्षण व अपने अनुभव के माध्यम से मानपुर जनपद के विभिन्न गाँवो का निरीक्षण किया व अधिक से अधिक किसानों को फसल प्रबंधन के लिए जागरूक कर बीपीएच (भूरा माहू),बाली काटने वाली इल्लियों से बचाव के लिए प्रभावशील दवाओं और उनकी उपलब्धता की जानकारी दी जिससे किसानों ने अपनी धान की फसल को नुकसान से बचा लिया । ग्राम दमना के रत्नेश सिंह,ग्राम पटेहरा के संजीव प्रजापति,अशोक साहू व ग्राम-भमरहा के दीनबन्धु जायसवाल ग्राम-कोठीया के राम शरण बैगा,ग्राम डोडका के बलि सिंह गोंड,ग्राम भड़ारी निवासी कृष्ण पाल गोंड,आदि किसानों ने बताया कि नितीश ओझा साल भर हमारे साथ मिलकर काम करते हैं और समय समय पर हमें उन्नत किस्म के बीजों,रासायनिक खाद के उपयोग व फसल प्रबंधन की जानकारी प्रदान करते रहते हैं।

नितीश ओझा कोर्टेवा एग्रीसाइंस-पयोनियर सीड्स कंपनी के जनपद स्तर के प्रतिनिधि हैं बावजूद उसके नीतीश ओझा ने अपने कंपनी के किसानों के साथ-साथ क्षेत्र में अन्य किसान जो की पायोनियर कंपनी की धान नहीं भी लगाई थी उन्हें भी बीपीएच कंडो (थ्ंसेमै उनज),कटिया,आदि रोगों के बारे में किसानों को उनके खेत-खेत जा कर बताया और साथ ही तत्परता के साथ किसानों से लगातार संपर्क कर इस रोग के उपचार के लिए दवा एवं दवा का प्रयोग किस प्रकार करना है आदि का प्रचार प्रसार कंपनी के उपभोक्ता किसानों के अलाव सभी किसानों की सहायता करना बहुत ही सराहनीय कार्य है । क्षेत्र के किसान जिन्हें समय रहते नितीश ओझा के द्वारा रोग के बारे में जानकारी मिली एवं नितीश के बताए अनुसार रोकथाम की व्यवस्था की गई उन्होंने अंतर्मन से पायोनियर कंपनी के ब्लॉक प्रतिनिधि को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया है।

वन विभाग ने जप्त की बोर मशीन

उमरिया। क्षेत्र सचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व गौरव चौधरी, उप संचालक पी.के.वर्मा के मार्गदर्शन एवं सहायक संचालक बीएस उप्पल के निर्देशन में परिक्षेत्र अधिकारी मानपुर बफर मुकेश अहिरवार द्वारा वन भूमि में बोर करने पर भारतीय वन अधिनियम 1927 के तहत कार्यवाही की है। गणेश बोर वेल्स कंपनी की गाड़ी द्वारा बीट मझौली के कम्पार्टमेंट पीएफ 377 में अवैधानिक रूप से बोर कार्य कर रहे थे। वन अमले द्वारा बोर के संबंध में दस्तावेज मांगे जाने पर आरोपियो द्वारा कोई वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके, जिससे बोर मशीन की जब्ती कार्यवाही करते वन अपराध पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में बीट गार्ड माजौली फत्थे सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका के साथ ही मानपुर, कुचवाही एवं बिजौरी सर्कल के कर्मचारियों की सहभागिता रही।

राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए पांच खिलाड़ियों का हुआ चयन

कोतमा

शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोतमा के पांच खिलाड़ियों का चयन 19 वर्षीय राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। 9 अक्टूबर को संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन जिला उमरिया में किया गया था जिसमें खिलाड़ियों का चयन का पैमाना उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर रहा। प्रतीक नापित, अंकित साहू, सुमित अहिरवार कक्षा 12वीं, दुर्गा पाव, अनीषा केवट कक्षा 11वी, यह प्रतियोगिता 19 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक रीवा संभाग में आयोजित किया जाएगा। जिसमें भाग लेने सभी छात्र रीवा के लिए रवाना हुऐ' इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी टी आर आर्मो, जिला प्रभारी कीड़ा अधिकारी खलील कुरैशी, शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रभारी प्राचार्य विनोद कुमार पटेल, गणेश साहू, सभी शिक्षक एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग कबड्डी के कोच मिथलेश सिंह नेताम ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

निःशुल्क आवासीय नीट कोचिंग के लिए प्रवेश परीक्षा का किया आयोजन

बदरा/जमुना

पिछले वर्ष की भाँति, एसईसीएल अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल, "एसईसीएल के सुश्रुत" परियोजना के तहत कक्षा 12वीं में उत्तीर्ण छात्र/छात्राओं को निःशुल्क आवासीय मेडिकल कोचिंग प्रदान करने जा रहा है। इस परियोजना के तहत एसईसीएल द्वारा छात्र/छात्राओं को राष्ट्रीय मेडिकल प्रवेश परीक्षा- नीट की तैयारी में मदद करने के लिए निःशुल्क मार्गदर्शन और कोचिंग दी जाएगी। इसके अंतर्गत परियोजना प्रभावित परिवारों और कोयला खदान के आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बच्चे निःशुल्क कोचिंग प्राप्त करने के लिए दिनाँक 05.10.2024 से 19.10.2024 तक ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते थे। इन बच्चों को चयन करने के लिए दिनाँक 20.10.2024 को केंद्रीय विद्यालय, जमुना कॉलरी में सुबह 11.00 बजे से दोपहर 01.00 बजे तक नीट परीक्षा के पैटर्न पर आधारित प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। जिन अभ्यर्थियों ने दिनाँक 19.10.2024 तक किसी कारणवश आवेदन पत्र जमा नहीं कर पाये थे, उनके लिए परीक्षा शुरू होने से पूर्व तक परीक्षा केंद्र पर ऑन-द-स्पॉट आवेदन पत्र जमा करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गयी थी। इस परीक्षा के लिए जमुना कोतमा क्षेत्र व अनुपपुर जिले के कुल 20 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था जिसमे से 15 अभ्यार्थी परीक्षा मे शामिल हुए। इस प्रवेश परीक्षा का आयोजन जमुना कोतमा क्षेत्र के महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी के मार्गदर्शन मे सीएसआर नोडल अधिकारी डॉ सतीश कुमार द्वारा केंद्रीय विद्यालय, जमुना कॉलरी में कराया गया। परीक्षा के दौरान महाप्रबंधक के अलावा महाप्रबंधक संचालन अजय कुमार, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबन्धक अंशुमन पटनायक एवं सामाग्री प्रबंधन विभाग के स्टाफ ऑफिसर भावेश शिलावट परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किये। इस परीक्षा में केंद्रीय विद्यालय, जमुना कॉलरी के प्राचार्य मनोज कुमार केंद्र अधीक्षक थे तथा विद्यालय के शिक्षक अतुल कुमार गुप्ता एवं सुश्री भावना पूरी आंतरिक निरीक्षक थे। बाह्य निरीक्षक के रूप में बिलासपुर से अमित मिश्रा थे सभी के सहयोग से इस परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

जिला समन्वय समिति अनूपपुर की मासिक गोष्ठी सम्पन्न

चचाई

17 अक्टूबर को गायत्री परिवार अनूपपुर जिले की बैठक उत्साह से परिपूर्ण वातावरण में अनूपपुर में सम्पन्न हुई। जिसमें 30 से अधिक लोगों ने भाग लिया जिसमें ग्राम लहरपुर, सेमरवार दर्री टोला,सिवनी,बर्री में 5/9 कुंडीय यज्ञ की तारीखों का निर्धारण हुआ ग्राम पासला एवं केल्हौरी धिरौल पटना अमिलिया में पांच कुण्डी यज्ञ करने का संकल्प लिया गया। कोतमा क्षेत्र में 25 ग्रामों का संपर्क पिछले दिनों हुआ इसमें और गति प्रदान करने का संकल्प हुआ। चेतना केन्द्र अनूपपुर में 25 कुर्सी परिजनों के सहयोग से क्रय की गई साथ ही नवंबर में लगभग 40 परिजन शांतिकुंज हरिद्वार चलने का टिकिट करवा चुके है। माता जी का ज्योतिकलश उत्साह भरे मन से लाकर प्रत्येक गांव में पहुंचाने एवं प्रत्येक घर में गायत्री उपासना एवं यज्ञ (विश्व की हर समस्या का संपूर्ण समाधान) को स्थाई स्थापना की योजना बनी एवं प्रत्येक परिजन का संकल्प स्वर व्यक्त हुआ साथ ही सभी परिजनों से निवेदन किया गया कि अति शीघ्र अपनी अपनी तहसीलों की गोष्ठी सम्पन्न कर के गुरुदेव के युग निर्माण योजना को सफल बनाने में सहायता करें अंत में जिला स्तर के गोष्टी कार्यक्रम में आए लोगों का आभार व्यक्त किया गया इस कार्यक्रम में सभी परिजनों के अलावा श्री के एन योगी जी सामान्य विशेष रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में संतोष कुमार सोनी जिला सामान्य अनूपपुर ने आए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

खबर संक्षेप

साकेतवासी महंत नारायण दास शास्त्री जी के 20 वीं पुण्यतिथि श्रद्धा भाव से मनाई गई

बुढार। श्रीराम जानकी मंदिर के पूज्य मंहत एवं संस्थापक साकेत वासी नारायण दास शास्त्री जी का करवाचौथ तिथि पर 20 वीं पुण्यतिथि उनके शिष्यों के द्वारा धूमधाम से मनाई गई। श्रीराम जानकी मंदिर के महंत रामबालक दास महाराज ने बताया कि पूज्य गुरुदेव श्री शास्त्री जी वर्ष 2004 मे साकेत वासी हो गये थे जब निरंतर हर वर्ष करवाचौथ तिथि के अनुसार उनकी पुण्यतिथि मनाई जाती है जो 20 अक्टूबर रविवार को मंदिर प्रांगण मे उनका स्मरण करते हुए शिष्यों के द्वारा उनके चरणों पर पुष्प अर्पित कर शुभाशीष मांगा। नगर के हजारों शिष्यों ने मंदिर पहुंचकर उनका स्मरण किया।

धर्म परिवार का सार्वजनिक दीपोत्सव कलश सज्जा प्रतियोगिता के साथ होगी सामूहिक आतिशबाजी

रीवा। हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार की महिला शाखा संरक्षक श्रीमती संतोषी गुप्ता के दिये गये प्रस्ताव पर पदमधर पार्क आयोजित होने वाले सार्वजनिक दीपोत्सव-2024 में कलश सज्जा प्रतियोगिता के साथ सामूहिक आतिशबाजी को जोड़ा जा रहा है। जिसमें नगर की समस्त कलाप्रेमी महिलाओ को कलश सज्जा प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये आमंत्रित किया जा रहा है। साथ ही आने वाले सभी नागरिको, कलाकारो को सामूहिक आतिशबाजी में भाग लेने के लिये अपनी-अपनी सामग्री लाने हेतु आग्रह किया गया है। यह जानकारी कार्यक्रम संयोजक अनिल मिश्रा एड0 एवं युवा अध्यक्ष सुमित माँजवानी ने दी है। जानकारी में आगे बताया गया है कि इस वर्ष मनाये जाने वाले सार्वजनिक दीपोत्सव में उपस्थित जनसमुदाय द्वारा एक साथ मिलकर दीपदान किया जायेगा। शुभारंभ हेतु नगर की प्रसिद्ध भजन मंडली प्राची शुक्ला ग्रुप को भी अपनी आकर्षक प्रस्तुति देने हेतु आमंत्रित किया गया है। नगर की प्रसिद्ध उदघोषिका मंच संचालिका डॉ0 आरती तिवारी कार्यक्रम को अपनी मधुर आवाज से संचालित करेगी। धर्म परिवार के संस्थापक आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी एवं अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू के कुशल नेतृत्य में आयोजन समिति द्वारा आयोजन को यादगार बनाने के लिये निरंतर तैय्यारी की जा रही है। सांस्कृतिक सचिव राजीव वर्मा गुड्डू द्वारा डॉस ग्रुपो को एकल एवं समूह नृत्य के लिये सम्पर्क किया जा रहा है। इस वर्ष सभी सहभागी कलाकारो को सम्मान स्वरूप समृति चिंह देकर पुरस्कृत किया जायेगा, लगातार 26वें वर्ष में आयोजित होने वाले इस गरिमामयी आयोजन में आने वाले नागरिको के लिये दर्शक दीर्धा बनेगी।

शहीद केदारनाथ क्रिकेट टूर्नामेंट मे बहेराडाबर बनी विजेता

मऊगंज। शहीद केदारनाथ महाविद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट टीम के द्वारा कई वर्षो से प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। जिला बनने के बाद पहले सीजन का प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ 06 अक्टूबर से प्रारंभ किया गया जिसमे कुल 10 टीमों द्वारा प्रतियोगिता में भाग लिया गया।। 20 दिवसीय इस प्रतियोगिता में बहेराडाबर एवं डगडौआ की टीम फाइनल मे पहुंची। जिसमें बहेराडाबर टीम विजयी हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरविंद सिंह द्वारा विजेता एंव उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की गई शहीद केदारनाथ क्रिकेट टूर्नामेंट में लगातार कई वर्षों से संरक्षक के रूप में राजेश सिंह राजू मांडा का योगदान विशेष रहा है। क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजन में अजय पांडे एवं जेपी मिश्रा द्वारा निर्णायक अंपायरिंग की भूमिका निभाई गई। कॉमेंटेटर मकसूद खान द्वारा निर्बाद कमेंट्री प्रस्तुत की गई।

लाखों की लागत से हाइवे पर बने सेल्फी पांइट

अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा, नहीं की जाती साफ सफाई

बुढार।

नेशनल हाईवे शहडोल रोड़ महावीर द्वार के समीप लाखों की लागत से बने सेल्फी पांइट पोज स्थल जो अपने दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है।

विगत वर्षों स्वच्छ बुढार स्वस्थ बुढार के नाम से सेल्फी पॉइंट लेने के लिए बनाया तो गया लेकिन आज वहां की स्थिति ठीक नहीं है,कोई बाहरी व्यक्ति नगर मे प्रवेश कर नगर की यादों के रूप मे अपने मोबाइल पर कयद कर रखना चाहें तो उस स्थल पर इतनी गंदगी एवं सेल्फ़ी पॉइंट खुद अस्वस्थ है जों खुद ही बंया कर रहा है कहने को तो

नगर मे बहुत सारे विकास के कार्य हुये है लेकिन स्थीतिया कुछ और बयां कर रही है।

नगर परिषद के द्वारा बनाये गये चबूतरे एवं स्वच्छ बुढार स्वस्थ बुढार का स्लोगन भी टूट फुट गया है जिसे देखें नपा अधिकारियों की नजर नहीं पड़ रही है, जबकि प्रतिदिन स्वछता प्रभारी सफाई कामगारो के साथ मौके का निरीक्षण करते हैं उसके बाबजूद भी विगत कई महीनों से सेल्फ़ी पॉइंट स्थान पर साफ सफाई नहीं की जाती है।

इनका कहना

इस संबंध मे मुख्य नगरपालिका अधिकारी से पुछा गया तो उन्होंने कहा कि कल दिखवा कर सफाई करने के निर्देश देता हूं।

सौरभ श्रीवास्तव प्रभारी सीएमओ
नगर परिषद बुढार

लीनेस क्लब ने लगाया मेगा स्वास्थ्य शिविर

डायबिटीज एवं न्यूरोलाजी के मरीजों का किया गया परीक्षण

धनपरी।

लीनेस क्लब बुढ़ार द्वारा नि :शुल्क डायबिटीज एवं न्यूरोपैथी जांच एवं परामर्श मेगा शिविर का आयोजन किया गया। इस निः शुल्क कैंप के प्रचार के लिए क्लब के द्वारा बैनर एवं 1000 पैंपलेट का कई अलग अलग स्थानों पर वितरण किया गया साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से भी प्रचार किया गया। प्रमुख चिकित्सक इस शिविर में बाहर से आए हुए मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव शिव शंकर परोहा,मौसम चौरसिया, कार्तिक यादव एवं शिवम छाबड़ा के द्वारा शुगर जांच,ब्लड प्रेशर हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड जांच एवं न्यूरोपैथी जांच की गई और कई विशेषज्ञ डॉक्टर डा. ऐन. के अग्रवाल, डा.सौरभ सिंह परिहार

जी, डा. के. एम.गुप्ता जी एवं डा. जे. एम.गर्ग जी के द्वारा मरीजों को जांच के बाद परामर्श दिया गया। लीनेस बहनों के द्वारा सभी विशेषज्ञ डॉक्टर्स एवं मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत, अभिनंदन किया और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सभी को सम्मानित भी किया।लोगों को किया जागरुक क्लब अध्यक्ष लीनेस अर्चना ओझा ने लोगों को इन सभी जांच के बारे में समझाया और जांच को करवाने के लिए जागरूक भी किया। शिविर के समापन के बाद सभी डॉक्टर्स, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स और शिविर में उपस्थित जन का क्लब सचिव लीनेस अंजू दुआ के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। इस शिविर में क्लब अध्यक्ष लीनेस अर्चना ओझा,सचिव अंजू दुआ,कोषाध्यक्ष शैला गुप्ता के साथ क्लब की अन्य लीनेस बहनें स्नेहलता गुप्ता, साधनाअग्रवाल, रजनी जैन,ज्योति खनूजा, बिंदा भगत,प्रतिमा जैन, मोनिका अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, अंजना जैन,नागमणि मानिकपुरी एवं श्रीमती चंद्रकला जी की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में सुभाष गुप्ता जी, अरुण जैन जी, विनोद ओझा जी एवं धर्मेंद्र जैन जी की उपस्थिति रही।

मरीज की जगह 108 एम्बुलेंस ढो रही टायर

भगवां।

प्रदेश की तरह जिले में भी 108 एम्बुलेंस मरीजों की जगह टायरों को ढोते पकड़ी जा रही है और मरीजों को हाथ ठेलों पर ले जाते हुए वीडियो वायरल हो रहे हैं। एम्बुलेंस योजना का नाम महिलाओं को समर्पित करते हुए सरकार द्वारा जननी एक्सप्रेस रखा गया था। लेकिन मिलीभगत के चलते उक्त योजना को कमाई का जरिया बना लिया गया है। प्रदेश में जननी एक्सप्रेस एम्बुलेंस को एक ही महिला को एक ही दिन में 5 बार उपलब्ध कराया हुआ दिखाया जाता है। छतरपुर जिले के एंबुलेंस डीएम रोहित अरजरिया के संरक्षण में एम्बुलेंस में टायरों का परिवहन करवाया जा रहा है।

शनिवार की शाम साढ़े 7 बजे के बड़ामलहरा के पास 108 एम्बुलेंस क्रमांक सीजी 04 एनटी 2459 जो सागर से छतरपुर लौट रही थी जिसमे नए टायर लदे हुए थे। इसी दौरान मीडियाकर्मियों ने 108 एम्बुलेंस को रोकने का प्रयास किया लेकिन चालक तेज रफ्तार में एम्बुलेंस लेकर भाग निकला। सूत्रों की माने तो छतरपुर जिले की 108 एम्बुलेंस गाडिय़ां लगातार रीडिंग व पैसों के चक्कर में छतरपुर डीएम रोहित अरजरिया लगातार बड़े घोटाले को लेकर सक्रिय बताए जा रहे हैं। लेकिन अब देखना यह होगा।

मुख्यमंत्री आमजन को 999 रुपए में देंगे विमान यात्रा की सुविधा

रीवा

रीवा एयरपोर्ट से बदलेगी विन्ध्य की तस्वीर और तकदीर माल परिवहन के लिए रीवा में बनाएंगे अन्तर्देशीय कंटेनर डिपो उज्जैन, शिवपुरी और दतिया एयरपोर्ट का शीघ्र होगा उद्घाटन विन्ध्य के खेतों में अगले साल पहुंचेगा नर्मदा का पानी

रीवा के नवनिर्मित एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बनारस से वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि आपने जब मुझे तीसरी बार आशीर्वाद दिया तो मैंने कहा था, कि अब तीन गुना रफ्तार से विकास के कार्य होंगे। नई सरकार बनने के 125 दिन के भीतर 15 लाख करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं में काम शुरू हो गया है। इनके माध्यम से किसानों और गरीबों को विकास के अवसर दिए जा रहे हैं। पूरे देश में अधोसंरचना विकास के लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं। विकास के लिए निवेश नागरिकों की सुविधा और नौजवानों को रोजगार का अवसर देने के लिए है। फोरलेन हाईवे, रेलवे और एयरपोर्ट का निर्माण केवल ईंट सीमेंट का काम नहीं है यह लाखों लोगों के रोजगार और विकास के साधन हैं। देश में वर्ष 2014 में केवल 70 एयरपोर्ट थे। आज देश में 158 एयरपोर्ट हैं। रीवा में आयोजित लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने दीवाली के पहले ही विन्ध्यवासियों को दीवाली का बहुत बड़ा तोहफा दिया है। एयरपोर्ट से विन्ध्य के विकास के द्वार खुलेंगे। विन्ध्य में प्राकृतिक संपदा और विकास के हर संसाधन उपलब्ध रहे हैं। पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा ध्यान न देने के कारण विन्ध्य का समुचित विकास नहीं हो सका। अब विन्ध्य के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। रीवा में 1993 में रेल की भी सुविधा नहीं थी। आज यहाँ एयरपोर्ट की सुविधा उपलब्ध हो गई है। रीवा से भोपाल तक एक्सप्रेस वे का निर्माण किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि विन्ध्य के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए 23 अक्टूबर को रीवा में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से पूरे विन्ध्य में बड़े पैमाने पर औद्योगिक विकास के लिए निवेश होगा। उद्योगों की स्थापना से रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। विन्ध्य में कृषि और खनिज पर आधारित उद्योगों का तेजी से विकास होगा। पूरे संभाग में फूड इंडस्ट्री की अच्छी संभावना है। विन्ध्य से माल ढुलाई के लिए शीघ्र ही कंटेनर और मालवाहक हवाई जहाज की सुविधा दी जाएगी। साथ ही विन्ध्य वासियों को 999 रुपए में एक माह तक हवाई यात्रा कराई जाएगी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के प्रयासों तथा उड़ान योजना से गरीब आदमी को भी हवाई यात्रा की सुविधा मिल गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गंभीर रोगियों को उपचार सहायता के लिए एयर एंबुलेंस और हेली सेवा शुरू की गई है।

गंभीर रोगी को हवाई मार्ग से निःशुल्क बड़े अस्पताल ले जा रहे हैं। आज करवा चौथ के वृत के दिन रीवा को एयरपोर्ट की सौगात मिली है। इससे करवा चौथ का आनंद दुगना हो गया है। प्रधानमंत्री जी ने दीवाली से पहले ही विन्ध्य वासियों को दीवाली का तोहफा दे दिया है। प्रदेश में 6 हवाई अड्डों के साथ 25 हवाई पट्टियाँ विकसित की गई हैं। प्रदेश के हर जिले में हवाई पट्टी बनाई जाएगी। उज्जैन, शिवपुरी और दतिया के एयरपोर्टों का शीघ्र ही लोकार्पण होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम वनवास के दस से अधिक वर्ष विन्ध्य की पावन धरा पर रहे

भगवान राम की तपोभूमि चित्रकूट के विकास के लिए मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की सरकार मिलकर प्रयास कर रही हैं। युवाओं को रोजगार का अवसर देने के लिए हर संभाग में कौशल उन्नयन केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें प्रशिक्षण लेकर युवा अपना भविष्य संवारे। कृषि तथा दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। दूध उत्पादक किसानों को भी बोनस दिया जाएगा। प्रदेश में चहुंमुखी विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। 2003 तक प्रदेश में केवल पाँच मेडिकल कालेज थे। अगले दो सालों में प्रदेश में 37 मेडिकल कालेज हो जाएंगे। पूरे देश में सबसे पहले नदी जोड़ो अभियान मध्यप्रदेश में शुरू किया गया है। विन्ध्य क्षेत्र में अगले साल तक किसानों के खेतों तक माँ नर्मदा का पानी पहुंच जाएगा।

समारोह में मुख्यमंत्री ने कन्यापूजन करके बेटियों का सम्मान किया

मुख्यमंत्री ने रीवा जिले में पर्यटन संभावनाओं के संबंध में तैयार वीडियो फिल्म का विमोचन किया। लोकार्पण समारोह में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि रीवा संभाग सहित विन्ध्य के लिए यह गौरव के क्षण हैं। जब मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति में प्रधानमंत्री जी के हाथों विन्ध्य क्षेत्र की उड़ान के लिए रीवा का एयरपोर्ट लोकार्पित हो रहा है। समूचे विन्ध्य वासियों को इसके लिए बधाई और बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि हवाई अड्डे के रूप में विन्ध्य को पर्यटन, उद्योग, रोजगार और स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में विकास के लिए बड़ी सौगात मिल रही है। समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा में एयरपोर्ट के उद्घाटन का ऐतिहासिक पल विन्ध्य की आने वाली पीढ़ी लम्बे समय तक याद रखेगी। रीवा में विकास की अपार संभावनाएं हैं। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के कर कमलों से बाणसागर परियोजना का लोकार्पण होने के साथ रीवा की तस्वीर और तकदीर दोनों ही बदल गई। रीवा में सोलर प्लांट, विन्ध्य की विशेष पहचान सफेद बाघ की 46 वर्षों बाद मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी में वापसी सहित अनेक सौगातें पिछले कुछ वर्षों में मिली हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विन्ध्य की प्रगति को नई ऊँचाईयाँ देने के लिए एयरपोर्ट की सौगात दी है। मध्यप्रदेश में 1978 के बाद 46 वर्षों के अंतराल में रीवा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के रूप में रीवा एयरपोर्ट का उद्घाटन हुआ है। इससे आगामी 5 नवम्बर से रीवा से भोपाल की नियमित विमान सेवा शुरू हो जाएगी।

थाना लौर पुलिस द्वारा क्षेत्र में हो रही 4 चोरी की वारदातों का खुलासा

मऊगंज। थाना प्रभारी जगदीश ठाकुर एवं हमराह स्टाफ के द्वारा - थाना नईगढ़ी में चोरी का खुलासा करने के उपरांत थाना नंईगढी में घटित चोरी के अपराध के मामले में चोरी के समान बरामद होने पर आरोपियों से पूँछताँछ दौरान थाना लौर क्षेत्र मे भी चोरी की घटनाए कारित करना स्वीकार की गई हैं, थाना नईगढी से प्राप्त सूचना पर माननीय न्यायालय से लौर क्षेत्र में चोरी के सम्बन्ध में पुलिस रिमाण्ड प्राप्त कर पूँछताँछ की गई जो आरोपीगण 01.छोटेलाल गोंड़ 02.बादशाह गोंड़ एवं 03.विवेक गोंड़ द्वारा पूँछताँछ दौरान 01.कृपाशंकर द्विवेदी नि. ग्राम खीरी थाना लौर जिला मऊगंज 02.महिमा सोनी पति जवाहरलाल सोनी नि. गनिगवाँ थाना लौर 03.शिवेन्द्र पटेल पिता बुद्धसेन पटेल नि. ग्राम इटहा थाना लौर 04. जगदीश तिवारी नि. ग्राम नरैनी चौका सोनवर्षा तमरी मोड़ थाना लौर जिला मऊगंज के घरों मे हुई चोरी की घटनाएँ कारित करना स्वीकार की गई हैं, आरोपियों की स्वीकारोक्ति के आधार पर इनकी निशादेही मे 04 अलग अलग घरों से चोरी गए चाँदी के जेवरात बरामद किए गए हैं, एवं आरोपियों को पुनः माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

गिरफ्तारशुदा आरोपी

01.छोटेलाल गोंड़ पिता रामखेलावन गोंड़ उम्र 45 वर्ष, निवासी पिपराही थाना हनुमाना।02.बादशाह गोंड़ पिता शिवमँगल गोंड़ उम्र 45 वर्ष दोनो नि. ग्राम पिपराही थाना हनुमना जिला मऊगंज 03.विवेक गोंड़ पिता शिवभारत गोंड़ उम्र 30 वर्ष नि. ग्राम पनगड़ी (कठमना) थाना गढ़ जिला रीवा (म.प्र.)।

बरामद मशरूका

लगभग 500 ग्राम चाँदी के जेवरात पुराने इस्तेमाली कीमती लगभग 40,000/- रुपए।

सराहनीय भूमिका

उप निरीक्षक जगदीश ठाकुर थाना प्रभारी लौर, उप निरी. राजेश पाण्डेय, सउनि दिलराज सिंह, प्र.आर. तौसीफ खान, आर. अखिल , आर. अजय,आर. सूरज , आर. मुकेश कुमार।

रहस्यमय ढंग से लापता महिला का शव खेत में गड़ा हुआ मिला

रीवा

जिले के त्योथर तहसील के सोहागी थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें दस दिन पहले रहस्यमय ढंग से लापता हुई महिला का शव उसके घर से कुछ दूर खेत में गड़ा हुआ मिला है, मृतका की पहचान रामवती मांझी के रूप में की गई है, जो 10 अक्टूबर से लापता थीं। महिला का शव बोरे में बंद और जमीन में दफन पाया गया, घटना की जानकारी तब सामने आई जब मृतका के बेटे ने अपनी मां के लापता होने की शिकायत थाने में दर्ज कराई थी। बेटे की शिकायत के बाद पुलिस ने महिला की तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला, इस बीच गुरुवार को रामवती का पति अपनी 25 वर्षीय बेटी के साथ अचानक गायब हो गया, जिससे हत्या की आशंका और गहरी हो गई, शनिवार को पुलिस और स्थानीय लोगों ने महिला के घर के आसपास सर्च ऑपरेशन चलाया, जिसमें एक स्थान पर ताजा मिट्टी पाटी हुई पाई गई। जब उस स्थान को खोदकर देखा गया तो वहां खून के छींटे भी मिले, जिससे शक और पुख्ता हो गया, जेसीबी मशीन की मदद से खुदाई करने पर बोरे में बंद महिला का शव बरामद हुआ, जिससे दुर्गंध आ रही थी, घटनास्थल पर खून के छींटे और मिट्टी के असामान्य हालात ने इस बात की ओर इशारा किया कि महिला की हत्या कर शव को वहां दफन किया गया था, पुलिस ने तुरंत घटनास्थल को सुरक्षित करवाया और फॉरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया गया, शव का परीक्षण कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज गया वही रामवती मांझी के पति और बेटी के अचानक गायब हो जाने से उन पर हत्या का शक गहराता जा रहा है, पुलिस का मानना है कि महिला की हत्या कर शव को बोरे में भरकर जमीन में दफनाया गया और फिर पकड़े जाने के डर से पति अपनी बेटी के साथ फरार हो गया,फिलहाल पुलिस द्वारा फरार पति और बेटी की तलाश की जा रही है और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है,मृतका की हत्या के पीछे के कारणों और घटना की परिस्थितियों की जांच जारी है।

इनका कहना है –

पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है और पति के मिलने के बाद ही घटना की सच्चाई का खुलासा हो सकेगा।

पवन शुक्ला, सोहागी
थाना प्रभारी रीवा

खबर संक्षेप

सामतपुर तालाब अनूपपुर में लगे फव्वारा का केबिल तार चोर रंगे हाथ गिरफ्तार

अनूपपुर। शनिवार की दोपहर वार्ड नं. 02 अनूपपुर के पार्षद संजय चौधरी एवं संजू राठौर के द्वारा सामतपुर तालाब में नगर पालिका अनूपपुर के द्वारा सौंदर्य सौंदर्यीकरण हेतु लगाये गये फुब्बारा के केबिल तार को कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा काटकर निकालते देखा गया जो प्रभारी सी.एम.ओ. डी.एन. मिश्रा के द्वारा सूचना टी.आई. कोतवाली अरविन्द जैन को दी जिस पर प्रधान आरक्षक रीतेश सिहं, आरक्षक अमित यादव, दीपक बुन्देला के द्वारा सामतपुर तालाब पहुंचकर फुब्बारा के केबिल तार चोरी करने वाले आरोपी राजेश कुशवाहा पिता जगदीश कुशवाहा उम्र करीब 28 साल निवासी भूरा पेट्रोल पम्प के सामने, अमलाई, जिला शहडोल को चोरी किये गये केबिल तार कीमती 50000 रुपए के साथ रंगे हाथो पकड़ा जाकर थाना लाया गया एवं आरोपी के विरूद्ध थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 459/24 धारा 303(2) बी.एन.एस. में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के निर्देशन में कोतवाली पुलिस द्वारा पकड़े गये आरोपी का पुलिस रिमाण्ड लिया जाकर जिले में हुई अन्य चोरियों एवं चोरी का माल खरीदने वालो के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

सिकल सेल पेशेंट सपोर्ट ग्रुप की मासिक बैठक में वितरित की गई निःशुल्क दवाईयां

अनूपपुर। जिला अस्पताल मे प्रत्येक माह की 19 तारीख को आयोजित की जाने वाली मासिक सिकल सेल पेशेंट सपोर्ट ग्रुप मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें सिकल सेल के 74 रोगी शामिल हुए सिकल सेल के लक्षण वाले 6 नये लोगों के सैंपल लिए गए साथ में फैमिली सैंपल भी लिए गए । सभी रोगियों का परीक्षण करने के बाद चिकित्सको द्वारा सलाह दी गई तथा मरीजों को पोषण युक्त भोजन के सम्बन्ध मे सलाह एवं एक माह की दवाई भी निःशुल्क प्रदान की गई।

भूकंप आपदा पर व्याख्यान एवं मॉक अभ्यास 25 एवं 26 अक्टूबर को

अनूपपुर। भूकंप आपदा विषय पर 11 वी वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल द्वारा 25 एवं 26 अक्टूबर को व्याख्यान एवं मॉक अभ्यास कराया जाएगा उक्ताशय की जानकारी देते हुए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने बताया है कि कलेक्ट्रेट स्थित सोन सभागार में 25 अक्टूबर को अपराह्न 3:00 से भूकंप के दौरान बचाव एवं सुरक्षा विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है इसी तरह 26 अक्टूबर को मॉक ड्रिल आयोजित होगा। इस बाबत आवश्यक तैयारी के संबंध में कलेक्टर ने होमगार्ड कमांडेंट को निर्देश दिए है।

सीएम हेल्पलाइन सहित जन आवेदनों का सर्वोच्च प्राथमिकता में करें निराकरण

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने सीएम हेल्पलाइन, जन आकांक्षा, जनसुनवाई तथा टीएल के जन आवेदनो का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं उन्होंने कहा है कि जिन विभागों में आवेदन ज्यादा संख्या में लंबित है वह आवेदनों का परीक्षण कर इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता में करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में विभागों की ग्रेडिंग के सुधार के निर्देश दिए हैं।

मामला भालूमाडा पुलिस द्वारा युवक की बेरहमी से पिटाई का

900 किलोमीटर दूर किया जाए पूरा पुलिस स्टाफः हाई कोर्ट का सख्त आदेश

कोर्ट ने कहा केस भी चलाओ, डीजीपी को नोटिस जारी

नगर निरीक्षक सहित पुलिस कर्मियों पर 1 लाख 20 हजार की कास्ट भी लगाई

3 महीने के अंदर प्रदेश के पूरे थानों में लगे सीसीटीवी कैमरे

पुलिस कर्मियों और शासकीय अधिकारी कर्मचारियों के लिए ये निर्णय एक सीख है कि वे जनता की सेवा के लिए नियुक्त किए गए हैं न कि व्यक्तिगत वैमनस्यता निकालने के लिए सरकारी वेतन और सुविधा प्राप्त कर रहे हैं, उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में इस प्रकरण को पुलिस कर्मियों के आचरण को गंभीर अनियमितता मानकर दंडित किया है, पुलिस थानों की व्यवस्था आज भी दिए हुए मानदंडों के विरुद्ध है, विवेचना और तफसीस के नाम पर प्रताड़ना मिलती है इसलिए कोर्ट ने हर थानों में वॉयस रिकॉर्डिंग वाले सी सी टीवी कैमरे लगाने का सख्त निर्देश दिया है, और इसकी समयसीमा भी तय की है।

अनूपपुर/भालूमाडा

बिना सीसीटीवी के कमरे में व्यक्ति की पिटाई करने के बाद भी सीसीटीवी ने ही पुलिस की क्रूरता के राज खोल दिए। अब मध्य प्रदेश पुलिस को 3 महीने के अंदर यह सुनिश्चित करना होगा कि हर थाने के हर कोने पर सीसीटीवी की नजर हो। सोचिए अगर किसी जगह पर चक्काजाम चल रहा है और आप किसी कंपनी के कर्मचारी होने के नाते उसे चक्काजाम में फंसे हुए हैं। इस दौरान अगर आपको गाड़ी निकलवाने के लिए पुलिस से मदद मांगते हैं, लेकिन पुलिस चक्काजाम करने वाले व्यक्तियों पर कार्रवाई न करते हुए आपसे ही आपकी गाड़ी छुड़वाने के लिए रिश्वत की मांग करती हो। यहां पर रिश्वत न देने पर गाड़ी मालिक की पुलिस द्वारा निर्मम पिटाई भी की जाती है और उस पर झूठा मुकदमा दर्ज कर दिया जाता है। जबलपुर हाईकोर्ट में एक ऐसा ही मामला सामने आया जिसमें चक्काजाम में फंसी हुई गाड़ी छुड़वाने पहुंचे व्यक्ति से पहले तो पुलिस कर्मियों ने रिश्वत मांगी और रिश्वत की रकम न देने पर उस पर ही झूठा मामला कायम कर बेरहमी से थाने के अंदर उसकी पिटाई की।

चक्काजाम में फंसी गाड़ी को छुड़ाने का मामला

अनूपपुर के भालुमाड़ा थाना क्षेत्र में एक कंपनी के अंतर्गत चलने वाले ट्रको की आवाजाही पर ग्रामीणों के द्वारा 17 सितंबर 2023 को चक्काजाम करके रोक लगा दी गई। इस संबंध में याचिकाकर्ता अखिलेश पांडे जो कंपनी में शिफ्ट प्रभारी के रूप में कार्यरत है, उसने मौके पर पहुंचकर जाम में फंसी कंपनी की गाड़ी छुड़वाने के लिए भालुमाड़ा पुलिस थाना के आरक्षक मखसूदन सिंह से संपर्क किया। इस बात को लेकर आरक्षक ने उनसे 5 हजार रूपए की रिश्वत मांगी। जिसका विरोध पीड़ति के द्वारा किया गया। वाद विवाद बढ़ते ही पीड़ति और आरक्षक के बीच झूमाझपटी हुई और आरक्षक ने पीड़ति को पीटना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस थाना के समस्त कर्मचारियों के द्वारा मौके पर पहुंचकर पीड़ति को गिरफ्तार कर भालुमाड़ा पुलिस थाना ले जाया गया।

बिना सीसीटीवी के कमरे में की पिटाई

पीड़ति को गिरफ्तार कर जब पुलिस स्टेशन ले जाया गया तब रामहर्ष पटेल सहायक उप निरीक्षक द्वारा मोटे बांस के डंडे के साथ बिना सीसीटीवी कैमरे लगे कमरे में ले जाकर पीड़ति को बेरहमी से पीटा गया। पीड़ति की चीख पुकार सुनकर समस्त पुलिस स्टाफ और पीड़ति के रिश्तेदार जैसे ही थाने के अंदर गए तो उसके रिश्तेदारों और मित्रों को बाहर रोक दिया गया।

सीसीटीवी फुटेज से हुई असलियत उजागर

पीड़ति ने अपने सूचना अधिकार के तहत जब पुलिस थाना भालुमाड़ा में लगे सीसीटीवी कैमरों की वीडियो फुटेज प्राप्त की जिससे सारी असलियत सामने आ गई। इस वीडियो को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जब चलाया गया तो इसमें साफ नजर आ रहा कि भालुमाडा नगर निरीक्षक आर के धारिया के द्वारा आरक्षक मखसूदन सिंह से इस बात की पुष्टि की जाती है कि पीड़ति के द्वारा उसे मारा गया है या नहीं जिस पर आरक्षक के द्वारा बताया जाता है कि केवल हाथापाई (झूमा झटकी) हुई है। तब नगर निरीक्षक के द्वारा इस बात पर जोर दिया गया कि वह इस मामले में एक दूसरी एफआईआर दर्ज करवाए जिसमें वह याचिकाकर्ता के खिलाफ कॉलर पकड़कर वर्दी फाड़ने का आरोप लगाए। इस पूरे मामले में नगर निरीक्षक के द्वारा एससी-एसटी अधिनियम के तहत नया प्रकरण दर्ज करने की भी बात कही गई है। इसके साथ ही साथ ही इस दौरान एक दूसरे सीसीटीवी फुटेज से सामने आया कि जिस कमरे में सीसीटीवी कैमरा नहीं लग गया था वहां से जब पीड़ति को बाहर लाया गया तो वह चलने की भी स्थिति में नहीं था। इसके बाद उसे पुलिसकर्मियों के द्वारा जबरन उठाकर जीप में डाला गया। यह सीसीटीवी फुटेज देखकर यह साफ हो गया कि पुलिस के द्वारा पीड़ति के खिलाफ साजिश रची गई है और मारपीट कर उसे झूठे आरोप में फंसाया गया है।

इन पर हुई कार्यवाही

कोऑर्डिनेटर डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस को आदेशित किया है कि दोषी पुलिस कर्मियों पर तत्काल एफआईआर दर्ज की जाये और पूरे स्टाफ की अनूपपुर जिला से 900 किलोमीटर दूर ट्रांसफर कर दिया जाए ताकि यह भविष्य में किसी भी प्रकार से मामले में साक्ष्यों से छेड़छाड़ ना कर सके। मामले की सुनवाई में कोर्ट ने यह पाया कि पिटाई के बाद पीड़ति की स्थिति इतनी भी नहीं थी कि वह चल सके, तो जरूर उसके शरीर पर चोटें आई होगी। पर केस डायरी के अनुसार डॉक्टर के परीक्षण में उसके शरीर पर चोटे नहीं दिखाई गई। डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस को आदेशित किया गया है कि डॉक्टर के द्वारा दी गई एमएलसी की जांच करें और यदि इसमें डॉक्टर की संलिप्तता पाई जाती है तो उस पर भी एफआईआर दर्ज की जाए और मेडिकल अथॉरिटीज को इसके बारे में कार्यवाही के लिए सूचना दी जाए। इस मामले में आरोपियों को क्लीन चिट देने वाले पुलिस अधिकारियों पर भी गाज गिरेगी क्योकि कोर्ट ने एसडीओपी कोतमा के खिलाफ भी जांच कर कार्यवाही के आदेश दिए। साथ ही कोर्ट ने याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता दी है कि वह कंपनसेशन के लिए एक अलग से याचिका दायर कर अपने साथ हुई प्रताड़ना के लिए कंपनसेशन की मांग कर सकता है।

दोषी पुलिस कर्मियों को 1 लाख 20 हजार का जुर्माना

हाईकोर्ट ने इस याचिका को 1 लाख 20 हजार रुपए के अर्थदंड के साथ स्वीकार किया है और इस अर्थदंड का भुगतान दोषी पुलिसकर्मी करेंगे। जिसमें नगर निरीक्षक को 40 हजार रुपए, सहायक उपनिरीक्षक को 20 हजार रुपए, आरक्षक मखसूदन सिंह को 20 हजार रुपए एक अन्य आरक्षक को 20 हजार रुपए एवं दो अन्य पुलिसकर्मियों (प्रतिवादियों) को 10-10 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया गया है।

हर थाने का हर कोना हो सीसीटीवी की निगरानी में : हाईकोर्ट

पूरे मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस जी. एस. अहलूवालिया ने पुलिस महानिदेशक मध्य प्रदेश को निर्देशित करते हुए आदेश दिया कि प्रत्येक जिले के पुलिस अधीक्षकों के द्वारा एक महीने के अंदर उन पुलिस थानों की जानकारी मांगी जाए जिसमें किसी कमरे में सीसीटीवी नहीं है या ब्लैक स्पॉट (जो सीसीटीवी कैमरा रहित है) है। उसके बाद दो माह की अवधि में समस्त जगह ऑडियो सुविधायुक्त कैमरो को लगाया जाए। यदि उसके बाद भी कोई चूक होती है तो यह है न्यायालय की अवमानना मानी जाएगी। डीजीपी को इस मामले में 18 फरवरी 2025 तक रिपोर्ट सौपनी होगी। इसके बाद अगर मध्य प्रदेश के किसी भी जिले में कोई थाना यदि ऐसा पाया जाता है जो सीसीटीवी रहित है, तो इस पर पुलिस अधीक्षक और संबंधित थाने के एसएचओ पर कार्यवाही की जाएगी।

बिजुरी में ट्रैफिक पुलिस ने की स्कूली वाहन चालकों की आकस्मिक चेकिंग

एक चालक शराब के नशे में पाया गया

अनूपपुर। 19 अक्टूबर को ट्रैफिक पुलिस द्वारा बिजुरी शहर मे स्थित प्राइवेट स्कूल के स्कूली वाहन चालकों को चेक करने हेतु अभियान चलाया गया। जिसमें सनराइज पब्लिक स्कूल, सेंट जोसेफ मिशन स्कूल, जय मां शारदा हाई स्कूल, नव ज्योति मिशन स्कूल, सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिजुरी, दिल्ली वार्ड पब्लिक स्कूल (महेंद्रगढ़) सहित कुल 07 स्कूल के 20 स्कूली वाहन चालकों को ब्रइथ एनालाइजर से चेक किया।

सेंट जोसेफ स्कूल का बस चालक मिला शराब के नशे में

सेंट जोसेफ स्कूल के वाहन (बस) का चालक शराब के नशे में पाया गया। जिसके विरुद्ध कार्यवाही करते हुए बस को जप्त कर बिजुरी थाना में सुरक्षार्थ खड़ा करवाया गया अगले कार्य दिवस में चालान माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। आकस्मिक चेकिंग के दौरान वाहन चालकों को सुरक्षित वाहन चलाने के संबंध में समझाएं देते हुए बताया गया कि वाहन हमेशा निर्धारित गति में चलाएं, नशे की हालत में वाहन ना चलाएं, ओवरटेक करने से बचे, यदि आवश्यक की हो तो हमेशा दाहिने तरफ से ओवरटेक करें, ब्रेकिंग डिस्टेंस का ध्यान रखें, बच्चों को वाहन से उतारते समय सावधानी रखते हुए वाहन को रोड के बाएं साइड खड़ा करे उसके बाद उन्हें उतरने दे। क्षमता से अधिक बच्चे ना बिठाये, बच्चों के अभिभावक बहुत विश्वास के साथ आपकी गाड़ी में उन्हें स्कूल भेजते हैं। कृपया सावधानीपूर्वक गाड़ी चलाते हुए उन्हें घर से स्कूल और स्कूल से घर तक पहुंचाए। वाहन चालकों को बताया गया कि सावधानी और सतर्कता से सड़क दुर्घटना को घटित होने से रोका जा सकता है। चेकिंग में सउनि. आनंद तिवारी, प्रआर. रामधनी तिवारी, आर महेश गुर्जर एवं आरक्षक दिलीप सिंह, बिजुरी थाने से सहायक उप निरीक्षक विपिन बिहारी राय उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला- सुशील कुमार शर्मा

बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का हनन

शीर्षअदालत कानून पर अमल के लिए दिशा निर्देश जारी

गैरसरकारी संगठन सेवा और कार्यकर्ता निर्मल गोराना की याचिका पर आया फैसला

अनूपपुर

बाल विवाह मुक्त भारत 200 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों का गठबंधन है जिसने अकेले 2023-24 में पूरे देश में 120,000 से भी ज्यादा बाल विवाह रुकवाए और 50,000 बाल विवाह मुक्त गांव बनाए। देश में बाल विवाह कानून पर एक ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून के प्रभावी तरीके से कार्यान्वयन के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा कि बाल विवाह अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुनने के अधिकार को छीनता है। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के सहयोगियों सोसाइटी फॉर एनलाइटेनमेंट एंड वालंटरी एक्शन (सेवा) और कार्यकर्ता निर्मल गोरानी की याचिका पर आए इस फैसले का स्वागत करते हुए गैरसरकारी संगठन होलिस्टिक एक्शन रिसर्च एंड डेवेलपमेंट (हार्ड) ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से देश में बाल विवाह के खात्मे के प्रयासों को मजबूती मिलेगी और हम राज्य सरकार से अपील करते हैं कि वह इन दिशानिर्देशों पर तत्काल प्रभाव से अमल करे ताकि 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

होलिस्टिक एक्शन रिसर्च एंड डेवेलपमेंट (हार्ड) देश के 200 से ज्यादा गैरसरकारी संगठनों के गठबंधन बाल विवाह मुक्त भारत (सीएमएफआई) अभियान का एक अहम सहयोगी है जो 2030 तक बाल विवाह के खात्मे के लिए 400 से ज्यादा जिलों में जमीनी अभियान चला रहे हैं।

प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने फैसले में कहा कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सरकार व प्रशासन को बचाव-रोकथाम-अभियोजन रणनीति के साथ समुदाय आधारित दृष्टिकोण के साथ काम करने की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से जारी दिशानिदेर्शों में स्कूलों, धार्मिक संस्थाओं और पंचायतों को बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता के प्रसार का अहम औजार बताते हुए बाल विवाह की ज्यादा दर वाले इलाकों में स्कूली पाठ्यक्रम में बाल विवाह की रोकथाम से संबंधित उपायों की जानकारियां शामिल करने को कहा गया है। खंडपीठ गैरसरकारी संगठन सेवा और कार्यकर्ता निर्मल गोराना की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें दावा किया गया था कि देश में बाल विवाह की स्थिति गंभीर है और बाल विवाह के खिलाफ बने कानून पर उसकी अक्षरशः अमल नहीं कर उसकी मूल भावना से खिलवाड़ किया जा रहा है।

फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ ने बचाव-संरक्षण-अभियोजन रणनीति और समुदाय आधारित दृष्टिकोण पर जोर देते हुए कहा, कानून तभी सफल हो सकता है जब बहुक्षेत्रीय समन्वय हो। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण की आवश्यकता है। हम एक बार फिर समुदाय आधारित दृष्टिकोण की जरूरत पर जोर देते हैं। फैसले का स्वागत करते हुए होलिस्टिक एक्शन रिसर्च एंड डेवेलपमेंट (हार्ड) के निदेशक सुशील कुमार शर्मा ने कहा, यह हम सभी के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण फैसला है। राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन बाल विवाह के खात्मे के लिए जिसे जोश और संकल्प के साथ काम कर रहे हैं, वह सराहनीय है और यह फैसला हम सभी के साझा प्रयासों को और मजबूती देगा। बाल विवाह एक ऐसा अपराध है जिसने सारे देश को जकड़ रखा है और इसकी स्पष्ट व्याख्या के लिए सुप्रीम कोर्ट के आभारी हैं। हम आश्वस्त हैं कि साथ मिलकर और साझा प्रयासों से हम 2030 तक इस अपराध का पूरी तरह खात्मा कर देंगे। बताते चलें कि पिछले एक साल में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान और इसके सहयोगी गैरसरकारी संगठनों के प्रयासों से देश में सफलतापूर्वक 120,000 बाल विवाह रुकवाए गए। इसके अलावा, सरकार के प्रयासों से बाल विवाह की दृष्टि से संवेदनशील 11 लाख बच्चों का विवाह होने से रोका गया।